

2. Einziehung und Vernichtung von Landespapiergeld und Ausgabe von Reichskassenscheinen.

Gesetz vom 30. April 1874, R. G. Bl. S. 40.

(Centrallblatt für das Deutsche Reich, 1881 S. 140/141.)

| Staaten. | Betrag des ausgegebenen Landespapiergeldes nach dem Stande vom 30. April 1874. | Davon bis Ende März 1881 als eingezogen und vernichtet oder als präkludirt nachgewiesen. | Definitiver Antheil der einzelnen Staaten an Reichskassenscheinen (§ 1 d. Ges.). | Maximalbetrag derselben zu gewährenden Vorschüsse (§ 3 Abs. 1 d. Ges.). | Davon (Sp. 5) bis Ende März 1881 auf die Reichshauptkasse angewiesen. | Auf die nach Spalte 6 gewährten Vorschüsse sind bis Ende März 1881 von den Staaten erstattet. |
|---|--|--|--|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| In Beträgen von 1000 Mark. | | | | | | |
| Preussen einschl. Lauenb. | 61 386,7 | 61 386,7 | 72 145,5 | — | — | — |
| Bayern | 36 000,0 | 35 806,0 | 14 197,5 | 14 535,0 | 14 405,6 | 4 845,0 |
| Sachsen | 36 000,0 | 35 693,3 | 7 479,8 | 19 013,4 | 18 809,0 | 6 337,8 |
| Württemberg | 10 285,7 | 10 226,2 | 5 321,2 | 3 309,7 | 3 270,0 | 1 103,2 |
| Baden | 11 142,9 | 11 041,5 | 4 276,7 | 4 577,5 | 4 509,9 | 1 525,8 |
| Hessen | 7 371,4 | 7 296,0 | 2 495,7 | 3 250,5 | 3 200,2 | 1 083,5 |
| Mecklenburg-Schwerin | 2 955,0 | 2 943,0 | 1 632,0 | 882,0 | 874,0 | 294,0 |
| Sachsen-Weimar | 1 800,0 | 1 767,8 | 837,4 | 641,7 | 620,2 | 213,9 |
| Mecklenburg-Strelitz | 2 400,0 | 2 386,1 | 283,8 | 1 410,8 | 1 401,6 | 470,3 |
| Oldenburg | — | — | 915,1 | — | — | — |
| Braunschweig | 3 000,0 | 2 971,1 | 913,1 | 1 391,3 | 1 372,0 | 463,8 |
| Sachsen-Meiningen | 1 800,0 | 1 692,3 | 550,0 | 833,3 | 761,5 | 277,8 |
| Sachsen-Altenburg | 1 456,8 | 1 423,7 | 415,9 | 694,0 | 671,9 | 231,3 |
| Sachsen-Koburg-Gotha | 1 800,0 | 1 773,8 | 510,1 | 859,9 | 842,5 | 286,6 |
| Anhalt | 2 850,0 | 2 769,0 | 595,3 | 1 503,1 | 1 449,1 | 501,1 |
| Schwarzburg-Sondersh. | 450,0 | 447,1 | 196,6 | 168,9 | 167,0 | 56,3 |
| Schwarzburg-Rudolstadt | 600,0 | 575,3 | 221,0 | 252,7 | 236,2 | 84,2 |
| Waldeck | 630,0 | 616,0 | 164,5 | 310,3 | 301,0 | 103,4 |
| Reuss ältere Linie | 390,0 | 379,3 | 131,9 | 172,0 | 164,9 | 57,3 |
| Reuss jüngere Linie | 960,0 | 926,2 | 260,5 | 466,3 | 443,8 | 155,5 |
| Schaumburg-Lippe | 1 020,0 | 1 016,6 | 93,8 | 617,5 | 615,2 | 205,8 |
| Lippe | — | — | 325,2 | — | — | — |
| Lübeck | — | — | 152,6 | — | — | — |
| Bremen | — | — | 358,2 | — | — | — |
| Hamburg | — | — | 991,9 | — | — | — |
| Elsass-Lothringen | — | — | 4 534,7 | — | — | — |
| Zusammen . . . | 184 298,5 | 183 137,0 | 120 000,0 | 54 889,0 | 54 115,6 | 18 296,6 |
| | | | | | | (1 000 M.) |
| An Reichskassenscheinen sind bis Ende März 1881 ausgegeben: | | | | | | |
| a) auf den definitiven Antheil der einzelnen Staaten (oben Spalte 4) angewiesen | | | | | | 120 000,0 |
| b) zur Deckung der (oben nach Spalte 6) angewiesenen Vorschüsse | | | | | | 54 082,1 |
| Zusammen . . . | | | | | | 174 082,1 |
| In Folge der auf die Vorschüsse erfolgten Rückzahlungen (oben Spalte 7) sind bis Ende März 1881 an Reichskassenscheinen eingezogen und vernichtet | | | | | | 18 296,6 |
| Mithin sind Ende März 1881 verblieben . . . | | | | | | 155 785,5 |
| Es waren vorhanden: Ende März 1880 . . . | | | | | | 159 444,8 |
| " " 1879 . . . | | | | | | 163 097,9 |
| " " 1877 . . . | | | | | | 168 911,8 |
| " " 1876 . . . | | | | | | 171 838,8 |
| " " 1875 . . . | | | | | | 128 179,7 |
| Die Ende März 1881 vorhandenen Reichskassenscheine bestanden aus: | | | | | | |
| 7 904 006 Abschnitten à 5 M. | | | | | | 39 520,0 |
| 2 038 733 " " 20 " | | | | | | 40 774,7 |
| 1 509 817 " " 50 " | | | | | | 75 490,8 |
| Summa wie oben (1 000 M.) . . . | | | | | | 155 785,5 |